जे बी अकादमी वार्षिक परीक्षा 2019–20

विषय– हिन्दी कक्षा– आठ समय– 3 घण्टे पूर्णांक–80

निर्देशः–

- प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित है– व्याकरण, साहित्य,संस्कृत।
- यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रम से दें।
- सुलेख एवं स्वच्छता का ध्यान रखें।

व्याकरण खण्ड

प्रश्न 1– अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें– **4**

मनुष्य के शरीर में आँसू भी गड़े हुए खजाने की तरह हैं। जैसे कभी बुरा समय आ पडने पर संचित पूँजी ही काम देती है, उसी तरह हर्ष,शोक,भय,प्रेम इत्यादि भावों को प्रकट करने में जब सब इन्द्रियाँ हार मान बैठती हैं, तब आँसू ही उन भावों को प्रकट करने में सहायक होते हैं।लम्बे समय के वियोग के बाद जब किसी दिली दोस्त से मुलाकात होती है, तो उस समय हर्ष और प्रमोद के उफान में अंग–अंग ढीले पड़ जाते हैं,कंठ रुँध जाता है, जुबान इतनी शिथिल पड़ जाती है कि उससे मिलने की खुशी को प्रकट करने के लिए एक–एक शब्द मानो बोझ सा मालूम पड़ता है। वह शब्दों से अपने आनन्द को प्रकट करे इससे पहले सहसा आँसू की नदी उसकी आँखों में उमड़ आती है और नेत्र के पवित्र जल से वह अपने प्राण–प्रिय को हृदय से लगाने को हाथ फैलाता है।

क) लंबे समय के पश्चात् अपने किसी मित्र के मिलने पर कैसी मनोदशा होती है ?
ख) लेखक ने आँसुओं को गड़ा हुआ खजाना क्यों कहा है?
ग) आँसू कब शब्दों से अधिक मूल्यवान हो जाते हैं?
घ) वियोग में उपसर्ग और संचित में प्रत्यय बताइए ।

प्रश्न 2– अपठित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें– **4**

बार–बार आती है मुझको मधुर याद बचपन तेरी।
गया, ले गया जीवन की सबसे मस्त खुशी मेरी।
चिन्तारहित खेलना खाना वह फिरना निर्भय–स्वच्छन्द
कैसे भूला जा सकता है बचपन का अतुलित आनन्द।
ऊँच–नीच का ज्ञान नही था छूआछूत किसने जानी
बनी हुई थी वहाँ झोपड़ी और चीथड़ों मे रानी।
रोना और मचल जाना भी क्या आनन्द दिखलाते थे
बड़े–बड़े मोती से आँसू जयमाला पहनाते थे।

क) बचपन अपने साथ क्या लेकर चला गया?
ख) बचपन की कौन सा यादें नहीं भूलीं जा सकतीं?
ग) बचपन में किस चीज का ज्ञान नहीं था?
घ) पद्यांश को उचित शीर्षक दें।

प्रश्न 3– शब्द विचार–(8)

1) संधि विच्छेद कीजिए– पावन, संकल्प 1

2) संधि करें व भेद लिखें– वाक्+ईश, प्रति+उत्तर 1

3) विग्रह करके समास का नाम लिखें– दशानन,चारपाई 2

4) समस्तपद लिखकर समास बताएँ–शक्ति के अनुसार 1

5) अलंकार बताएँ–अ) मधुर मधुर मुस्कान मनोहर, मनहुँ देश का उजियाला 2
ब) सुबरन को ढूँढत फिरें कवि व्यभिचारी चोर

6) अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण लिखें। 1

प्रश्न 4– वाक्य विचार–(6)

1) रेखांकित शब्दों में कारक बताएँ– 1

क) उनके तरल शरीर पर हम फिसल चले हैं। ख) मैं कणों का हृदय टटोलती फिरती थी।

2) संबोधन व कर्म कारक का उदाहरण वाक्य में रेखांकित करते हुए दें। 1

3) निर्देशानुसार वाक्य बदलें। 2

क सारा घर धूल से भर गया। विस्मयवाचक

ख प्रशांत प्रथम आया। संकेतवाचक

4) मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करें– मारा–मारा फिरना, डींगे हाँकना 2

प्रश्न 5– आपके घर के पास गंदगी का ढेर लगा हुआ है, जिससे कई बीमारियाँ होने का खतरा पैदा हो गया है। अपनी समस्या के समाधान के लिए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखें। **3**

अथवा

अपने मित्र को पत्र लिखते हुए बताएँ कि एक बार कक्षा में चोरी के झूठे आरोप में आप फँस गए, परन्तु किस प्रकार अपनी निर्भयता और दृढ़ता से आपने सच का पता लगा खुद को बचाया।

प्रश्न 6–दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबन्ध लिखें– **5**

अनुशासन– सामाजिक आवश्यकता

संकेत बिंदु– प्रस्तावना, अनुशासन का अर्थ, अनुशासन और समाज, आधुनिक विश्व और अनुशासन,उपसंहार

अथवा

एक गंभीर समस्या : बढ़ती जनसंख्या

भूमिका, जनसंख्या वृद्धि एक समस्या, कारण, जनसंख्या वृद्धि से होनेवाली हानियाँ, जनसंख्या नियन्त्रण के उपाय

अथवा

वसन्त ऋतु

भूमिका, ऋतु का आरम्भ, ऋतु की विशेषता,विशेष पर्व, निष्कर्ष

अथवा

सिनेमा– समाज में बदलाव लाने का सशक्त माध्यम

भूमिका,ज्ञान व मनोरंजन का साधन, सामाजिक महत्त्व,वर्तमान स्वरूप, निष्कर्ष

साहित्य

प्रश्न 1– पठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें– **4**

सॉंप मन ही मन बाज की मूर्खता पर हँस रहा था। वह सोचने लगा कि आखिर उड़ने और रेंगने के बीच कौन सा भारी अन्तर है। अन्त में सबके भाग्य में मरना ही लिखा है–शरीर मिट्टी का है मिट्टी में ही मिल जाएगा। अचानक बाज ने अपना झुका हुआ सिर ऊपर उठाया और उसकी दृष्टि सॉंप की गुफा के चारों ओर घूमने लगी। चट्टानों में पड़ी दरारों से पानी गुफा में टपक रहा था। सालन और अँधेरे में डूबी गुफा में एक भयानक दुर्गंध फैली हुई थी,मानो कोई चीज वर्षों से पड़ी–पड़ी सड़ गई हो।

क) सॉंप बाज की किस मूर्खता पर हँस रहा था?
ख) सॉंप मन ही मन क्या सोचने लगाा?
ग) सॉंप की गुफा कैसा थी?
घ) पाठ व लेखक का नाम लिखो।

प्रश्न 2– पठित पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दें– **4**

ऐसे बेहाल बिवाइन सो पग कंटक जाल लगे पुनि जोए।
हाय महादुख पायो सखा तुम आए इतै न कितै दिन खोए।।
देखि सुदामा की दीन दसा करुना करिकै करुनानिधि रोए।
पारी परात को हाथ छुयो नहीं नैनन के जल सों पग धोए।।
क) सुदामा के पैरों की क्या दशा थी?
ख) सुदामा को देख कृष्ण ने क्या कहा?
ग) कृष्ण ने सुदामा का स्वागत किस प्रकार किया?
घ) पाठ व रचयिता का नाम लिखें?

प्रश्न 3– अति लघूत्तरीय प्रश्न– **3**

क) बोलती फिल्मों के लिए किस प्रकार के कलाकारों की आवश्यकता हुई?
ख) विट्ठल क्यों नाराज हो गए थे?
ग) साइकिल सीखने वाली महिलाओं के प्रति पुरुषों की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्रश्न 4– लघूत्तरीय प्रश्न– **6**

क) साइकिल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर कैसे बनाया?
ख) झाऊलाल ने अपनी समस्या किसे बताई और उन्होंने लालाजी की मदद कैसे की?
ग) पानी की कहानी से आपको क्या जानकारी मिलती है?

प्रश्न 5– दीर्घोत्तरीय प्रश्न– 6

क) कबीर की साखियाँ आज के समाज के लिए कितनी प्रासंगिक हैं? स्पष्ट कीजिए।

ख) धुनिया ने गवरइया की टोपी की सुन्दरता का क्या राज बताया?

प्रश्न 6– मूल्यपरक प्रश्न–किसी एक प्रश्न का उत्तर दे। **3**

क) अपने लाभ के लिए किसी को मूर्ख बनाना कहाँ तक उचित है?

ख) आत्मविश्वास और दृढ़ निश्चय मनुष्य को सफलता की ओर ले जाता है।

प्रश्न 7—सही गलत का निशान लगाएँ— **3**

क) कृष्ण ने गोपियों के घर जाकर माखन खाया भी और गिराया भी।
ख) अम्मा ने सामान बाँधा और मायके जाने की धमकी दी।
ग) अपशब्द सुनकर मौन नहीं रहना चाहिए।

प्रश्न 8—पाठ व लेखक का नाम लिखें— 3

अ) "जाति न पूछो साधु की।"
ब) "हमारे पास कोई लेखक नहीं था।"
स) "आखिर ये मोटे—मोटे किस काम के हैं?"

<u>संस्कृत</u>

प्रश्न 1— पठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दें— 3

भारतस्य उत्तरस्यां दिशायां नगाधिराजः हिमालय : विराजते। हिमालयस्य शिखराणि सदैव हिमैः आच्छादितानि तिष्ठन्ति। हिमालयात् अनेकाः नद्याः निस्सरन्ति।यथा— गंगा यमुना विपाशा शतद्रु वितस्ता इरावती चन्द्रभागा प्रभृतय :। एतासां नदीनां जलम् भू सिंचने महत् कार्यं करोति

क) हिमालय : कुत्र अस्ति?
ख) हिमालयात् काः काः नद्यः निस्सरन्ति?
ग) नदीनां जलं किम् करोति?

प्रश्न 2— सूक्तियों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 3

क) शठे शाठ्यं समाचरेत्।
ख) बुभुक्षितः किम् न करोति पापम्।
ग) आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थे महारिपुः।

प्रश्न 3— श्लोक पूरा करें— 2

मातृवत्...पण्डितः।।

प्रश्न 4—किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में संस्कृत में दीजिए— **2**

क) भारतवर्षे एकस्मिन् वर्षे कति ऋतवः भवन्ति?
ख) आम्रवृक्षस्य शाखासु के गायन्ति?
ग) दीपावलिः उत्सवः कदा भवति?

प्रश्न 5—रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— 2

अ) रामः सीतया सह ....प्रत्यागच्छत्। (लंकायाम्, अयोध्याम्)
ब) जनाः................... खादन्तिः। (पक्वान्नानि, पताकाभिः)
स) वसन्ते पादपेषुः............................पुष्पाणि विकसन्ति। (रम्याणि, सर्षपस्य)
द) साधवः न हि ...., चन्दनं न वने—वने। (तत्र, सर्वत्र)

प्रश्न 6 श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें— 2

क) न चौरहार्यं न राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।
व्यये कृते वर्धत एव नित्यं, विद्या धनम् सर्वधनम् प्रधानम्।।

प्रश्न 7— शब्दों के विलोम लिखें— 2

पण्डितः, दिवा

,,